दैनिक जागरण लखनऊ, 17 अक्टूबर 2015

नन्हे-मुन्नों ने निभाए रामकथा के किरदार

एमिटी इंटरनेशनल स्कूल में रामलीला के मंचन के दौरान बच्चे जागरण

लखनऊ : एमिटी इंटरनेशनल स्कूल, विराज खंड परिसर में छात्रों के सजीव अभिनय से सजी दो दिवसीय रामलीला प्रस्तुति का शुभारंभ विद्यालय प्रांगण में स्कूल की प्रधानाध्यापिका मुक्ता बनर्जी ने किया। पहले दिन रामजन्म की कथा से लेकर रामवन गमन और हनुमान जी के साथ मित्रता की कथा का मंचन किया गया। प्रथमी से लेकर कक्षा पांच तक के बच्चों द्वारा रामजन्म, उनकी बाल लीला और ऋषि विश्वामित्र के साथ शिक्षा के लिए वन गमन के प्रसंगों की मनमोहक प्रस्तुति की गई।

पांच के मिहिर राज ने निभाई, सीता के रूप में कक्षा 4 की गार्गी चतुर्वेदी और लक्ष्मण के पात्र में कक्षा पांच के आदित्य राना ने अपने अभिनय से लोगों का मन मोहा। भरत के पात्र में कक्षा तीन के दिव्यांश, कौषल्या के पात्र में कक्षा चार की मुस्कान मिश्रा, सुमित्रा के पात्र में कक्षा चार की सोहनी सिंह, हनुमान की भूमिका में सैमित्र शरण, कैकई के पात्र में कक्षा चार की श्रेष्ठा सिंह, मंथरा के पात्र में कक्षा तीन की अद्विका सिंह तथा विष्वामित्र के पात्र में कक्षा चार के आर्यन वत्स ने अपने अभिनय कौषल द्वारा दर्शकों को मंत्र मुग्ध किया। रावण की भूमिका में कक्षा चार के कनिष्क सिंह को लोगों ने सराहा।

मंचन के दौरान श्रीराम की भूमिका कक्षा पांच के मिहिर राज ने निभाई, सीता के रुप में कक्षा 4 की गार्गी चतुर्वेदी और लक्ष्मण के पात्र में कक्षा पांच के आदित्य राना ने अपने अभिनय से लोगों का मन मोहा। भरत के पात्र में कक्षा तीन के दिव्यांश, कौषल्या के पात्र में कक्षा चार की मुस्कान मिश्रा, सुमित्रा के पात्र में कक्षा चार की सोहनी सिंह हनुमान की भूमिका में सैमित्र शरण, कैकई के पात्र में कक्षा चार की श्रेष्ठा सिंह, मंथरा के पात्र में कक्षा तीन की अद्विका सिंह तथा विष्वामित्र के पात्र में कक्षा चार के आर्यन वत्स ने अपने अभिनय कौषल द्वारा दर्शकों को मंत्र मुग्ध किया। रावण की भूमिका में कक्षा चार के कनिष्क सिंह को लोगों ने सराहा।

प्रथम दिवस की रामलीला द्वारा यह संदेश दिया गया कि अधर्म के नाश के लिए ईश्वर का अवतरण धरती पर होता है तथा किस प्रकार स्वार्थ मनुष्य की बुद्धि पर छा कर सर्वनाश करता है। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षकगण, छात्र एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

लोकमत

4 लखनऊ, 16 अक्टूबर, शुक्रवार, 2015, शुक्ल पक्ष , तृतीया, 2072

एमिटी इंटरनेशनल स्कूल की रामलीला में जन्मे श्रीराम, अयोध्या में बजी बधइयां

लखनऊ । लोकमत न्यूज

राम चरितमानस में बताए गए भारतीय आदर्शों और सांस्कृतिक मूल्यों से छात्रों को परिचित कराने हेतु एमिटी इंटरनेशनल स्कूल, विराज खण्ड परिसर में छात्रों के सजीव अभिनय से सजी दो दिवसीय रामलीला प्रस्तुति का शुभारम्भ आज विद्यालय प्रांगण में स्कूल की प्रधानाध्यापिका मुक्ता बनर्जी के द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया।

रामलीला के प्रथम दिवस पर रामजन्म की कथा से लेकर रामवन गमन और हनुमान जी के साथ मित्रता की कथा का मंचन किया गया। रामचरित मानस में वर्णित विभिन्न चरित्रों के रूप में खूबसूरती से सजे प्राइमरी से लेकर कक्षा पांच तक के बच्चों द्वारा रामजन्म, उनकी बाल लीला और ऋषि विश्वामित्र के साथ शिक्षा के लिए वन गमन के प्रसंगों की मनमोहक प्रस्तुति की गई। श्री राम द्वारा बाललीला के मंचन ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया।मंचन के दौरान श्रीराम की भूमिका कक्षा पांच के मिहिर राज ने निभाई, सीता के रुप में कक्षा 4 की गार्गी चतुर्वेदी और लक्ष्मण के पात्र में कक्षा पांच के आदित्य राना ने अपने अभिनय से लोगों का मन मोहा। भरत के पात्र में कक्षा तीन के दिव्यांश, कौषल्या के पात्र में कक्षा चार की मुस्कान मिश्रा, सुमित्रा के पात्र में कक्षा चार की सोहनी सिंह हनुमान की भूमिका में सैमित्र शरण, कैकई के पात्र में कक्षा चार की श्रेष्ठा सिंह, मंथरा के पात्र में कक्षा तीन की अद्विका सिंह तथा विष्वामित्र के पात्र में कक्षा चार के आर्यन वत्स ने अपने अभिनय कौषल द्वारा दर्शकों को मंत्र मुग्ध किया। रावण की भूमिका में कक्षा चार के कनिष्क सिंह को लोगों ने सराहा।

प्रथम दिवस की रामलीला द्वारा यह संदेश दिया गया कि अधर्म के नाश के लिए ईश्वर का अवतरण धरती पर होता है तथा किस प्रकार स्वार्थ मनुष्य की बुद्धि पर छा कर सर्वनाश करता है। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षकगण, छात्र एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

Amity International School, Gomtinagar Lucknow Campus organised Ramleela Week
Published on 10/16/2015 : Lokmat- Lucknow - Page-04
Published on 10/17/2015 Dainik Jagran - Lucknow - Page-05

AIS, VKC ,Lucknow organizes Ramleela every year with the sole aim of apprising the students with the rich culture of India and to sow the seeds of good values in the children.